I[st] Year TD

Colour & Creation

TD - 105

9/1/18

II[nd] Periodical

Q. निम्न को परिभाषित कीजिये।

(a) Achromatic colours (b) Monochromatic colour scheme

a. Achromatic colour scheme :- इसके अन्दर हम Black व white कलर को मिला कर grey कलर व इत्यादि का प्रयोग करते है।

Monochromatic colour scheme :- इसमें केवल एक ही रंग के tones यानी tint व shed का प्रयोग किया जाता है। अर्थात किसी एक रंग मे श्वेत तथा श्याम मिश्रण से प्राप्त विभिन्न तान का प्रयोग करना एक वर्णीय पद्धति के अन्तर्गत आता है। यहाँ केवल एक रंग का प्रयोग किया जाता है।

ii) Modification of colour :- रंगों को नये रूप मे लगाना ही modification of colour कहलाता है। यह तीन प्रकार से किया जाता है

1. Hue मे black रंग मिला के
2. Hue मे white रंग मिला के
3. Hue मे दूसरे Hue को मिला के

Hue मे दूसरे Hue के mixing से जो कलर बनाया जाता है वो उस रंग के hue मे बदलाव कर देगा है, जैसे Crimson रंग लाल रंग मे थोड़ा सा blue मिलाने पर बनता है और Scarlet रंग लाल रंग मे थोड़ा सा yellow मिलाने पर बनता है। ये रंगो का मिलान हम table से देख सकते है

	A	B	C	D	E	F	G
Yellow	4	3	2	1	1	1	1
Blue	1	1	1	1	2	3	4

9/1

(राहुल [illegible])

इसी तरह white व black colour रंग के tones में परिवर्तित
सफेद रंग के विभिन्न मिश्रण पर tint प्राप्त होते हैं।
इसी तरह रंग में black रंग मिलाने पर black shades प्राप्त किये जाते हैं।

	A	B	C	D	E	F	G
White & black	7	5	3	1	1	1	1
Colour	1	1	1	1	3	5	7

(iii) Cool & warm colours.. — Chromatic circle में व्यवस्थित रंगों को आधे भाग में warm व आधे भाग के cool रंगों व्यवस्थित किया गया है। cool रंग वे होते हैं जो कि हमारी आँख ज्यादा देर तक देखने पर भी नहीं थकती है। और इन रंगों का आभास भी आराम दायक होता है।

warm colour वे रंग होते हैं जिनको हमारी आँखें ज्यादा देर तक नहीं देख सकती हैं। ज्यादा देर देखने पर हम चिड़चिड़े होने लगते हैं। और दिमाग में भी tension उत्पन्न हो जाती है।

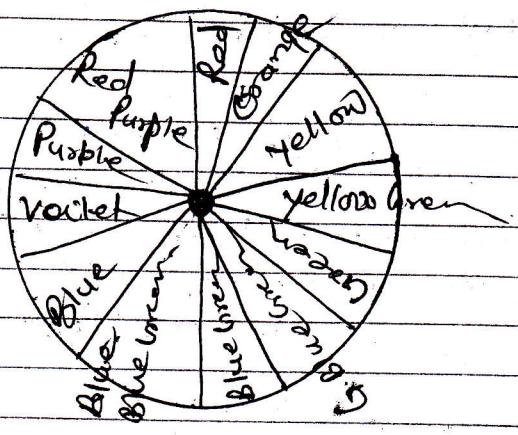

Chromatic Circle

Q3. Write detail notes of colour contrast.

Contrast:- वे रंग जो colour wheel में आमने सामने होते है। जिनका स्वभाव विपरीत होता है एवम् पास पास लगाने पर विरोधी भाव प्रदर्शित करते है। उन्हे विरोधक रंग कहते है।

इसे सामान्यतया दो भागो में विभाजक किया गया है।

(i) Mono chromatic contrast (ii) Polychromatic contrast

(i) Mono chromatic contrast:- इसमें एक ही रंग के विभिन्न tones का प्रयोग करते है। जैसे दो shades of red & 3 tints are green ये contrast ज्यादातर softly fabric के लिये किये जाते है।

(ii) Poly chromatic contrast:- मे दो या दो से ज्यादा रंगो के diffrent tones का प्रयोग किया जाता है। जैसे light green a light blue, light green and dark red इसे use करने के लिये designer को अनुभव व skill का प्रयोग करना पड़ता है।

इस Contrast combination से दो contrast और बनते है।

(i) Successive contrast (ii) Simultaneous contrast

Successive Contrast:- जब दर्शक चित्र में किसी आकर्षित रंग को देखकर दूसरे रंग की ओर देखता है तो प्रथम वर्ण का प्रभाव द्वितीय वर्ण को प्रभावित करता है। इसे ही (क्रमिक विरोधी भाव) कहते है। जैसे कि हम पूर्ण प्रकाश में से कमरे में जाने पर आँखो की आगे अंधेरा छाया रहता है।

Simultaneous Contrast:- इसमें दोनो रंग एक ही position पर लगे रहते है। यह नियम दोनो तरह के contrast पर लागू होता है। दोनो ही case में रंग अपने गुणो की quality को बदलता है। परन्तु अगर change ज्यादा है तो रंग दूसरे रंग के contrast में सीधे ही जाता है तो दोनो रंग अलग-2 दिखाई देते है।

इसी तरह white व black colour रंग के tones से परिवर्तित सफेद रंग के विभिन्न मिश्रण पर tint प्राप्त होते हैं। इसी तरह रंग में black रंग मिलाने पर black shades प्राप्त किये जाते हैं।

	A	B	C	D	E	F	G
White & black	7	5	3	1	1	1	1
Colour	1	1	1	1	3	5	7

(iii) Cool & warm colours.. — Chromatic circle में व्यवस्थित रंगों को आधे भाग में warm व आधे भाग में cool रंगों व्यवस्थित किया गया है। cool रंग वे होते हैं जो कि हमारी आँख ज्यादा देर तक देखने पर थक नहीं सकती है। और इन रंगों का आभास भी आराम दायक होता है।

warm colour वे रंग होते हैं जिनको हमारी आँखें ज्यादा देर तक नहीं देख सकती हैं। ज्यादा देर देखने पर हमें चिड़चिड़ा होने लगता है। और दिमाग में भी tension उत्पन्न हो जाती है।

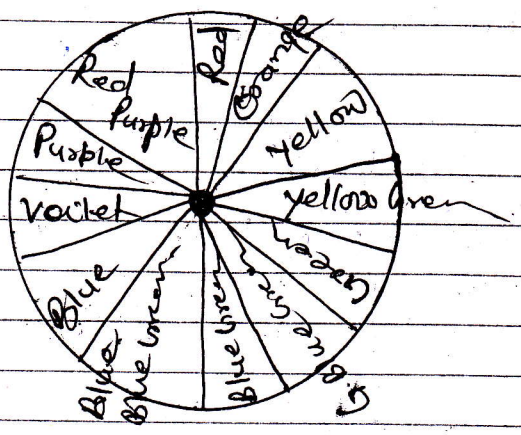

Chromatic Circle

19/11